पाठ 8. मैं हूँ आम

पाठ का उद्देश्य

यह पाठ फलों के राजा आम की आत्मकथा प्रस्तुत कर रहा है। इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को 'आम' फल के बारे में कुछ विशेष एवं रोचक जानकारियाँ देना है। पाठ में आम की विविध किस्मों के बारे में भी बताया गया है।

पाठ का सारांश

पाठ में एक बालक है–शोभित। शोभित को आम बहुत अच्छे लगते हैं। उसकी माँ शाम को बाज़ार से आम लेकर आती हैं। शोभित दो आम खाने के बाद और आम खाने की ज़िद करने लगता है। माँ के मना करने के बाद वह मन मारकर सोने चला जाता है। शोभित के सपने में टोकरी में रखे आम एक-एक करके उड़कर आने लगते हैं और उसे अपना-अपना परिचय देते हैं। एक आम ने अपना नाम सफ़ेदा बताया, दूसरे ने तोतापरी, तीसरे ने बंबइया तथा चौथे ने अलफांसो। लँगड़ा और दशहरी आमों ने अपने नामकरण के बारे में भी जानकारी दी। शोभित ने भी उनसे कुछ सवाल पूछे। शोभित उनसे और भी बहुत कुछ जानना चाहता था पर सुबह हो गई थी। माँ ने उसका पसंदीदा मैंगो शेक बनाया था। शोभित ने माँ से कहा, "माँ, आप सबसे अच्छी हैं!"

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की विषय वस्तु से संबंधित पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से पूछें कि उन्हें कौन-सा फल सबसे अच्छा लगता है। अधिकांशत बच्चों को आम ही भाता है। उनसे पूछें कि फलों का राजा किसे कहा जाता है। उन्हें बताएँ कि आम की लगभग 1100 किस्में भारत में पाई जाती हैं। बताएँ कि आज हम जो पाठ पढ़ेंगे, उसमें आम के बारे में ही बहुत-सी बातें बताई गई हैं। अब पाठ का वाचन करें। बच्चों से भी एक-एक अंश पढ़वाएँ। बीच-बीच में बच्चों से पाठ से संबंधित चर्चा करते रहें जिससे बच्चों की रुचि बनी रहे।

बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए–

- ❖ उन्हें यह पाठ कैसा लगा?
- ❖ उनकी माँ 'आम' से क्या-क्या बनाती हैं। उन्हें बताएँ, आम से अचार, चटनी, मुरब्बा, जैली, जैम आदि बनाया जाता है।
- ❖ आम के पेड़ की लकड़ी का प्रयोग दरवाज़े-खिड़कियाँ, फर्नीचर आदि बनाने में किया जाता है। आम के पत्तों को पूजा आदि शुभ अवसरों पर प्रयोग करना अच्छा माना जाता है।
- ❖ यदि शोभित की तरह उनके सपने में भी 'आम' आ जाए तो वे उससे क्या-क्या प्रश्न पूछेंगे?
- ❖ पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को उभारने का प्रयास करें। बच्चों से पूछें, यदि उनकी माँ उन्हें कोई चीज़ देने के लिए मना कर देती हैं तो वे क्या करते हैं–उस चीज़ को लेने की ज़िद पकड़ लेते हैं या अपनी माँ का कहना एक बार में ही मान जाते हैं।
  यदि ज़िद करते हैं तो उन्हें समझाएँ कि माता-पिता जो करते हैं, उनके भले के लिए करते हैं इसलिए उनका कहना मानना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।